श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

महाशिवरात्री साधना- ०८-०३-२०२४

सर्वोन्नति दायक- अष्टाक्षरी शिव मंत्र साधना

विधान : साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

विनियोग :

|| ॐ अस्य श्री शिवाष्टाक्षर मंत्रस्य वामदेव ऋषिः पंक्तिश्छन्दः उमापतिर्देवता सर्वेष्ट सिद्धये विनियोगः||

ध्यान:

वंधूकसिन्निभ देवं त्रिनेत्रं चंद्रशेखरम् |

त्रिशूलधारिणं वंदे चारूहासं सुनिर्मलम् ||

कपालधारिणं देव वरदाभय हस्तकम् |

उमया सहितं शंभुं ध्यायेत्सोमेश्वरं सदा ||

मंत्र: || ह्रीं ॐ नमः शिवाय ह्रीं ||

(अ)) एक दिवसीय विधान ५१ माला

(आ) पूर्ण विधान १२५० माला-(सवालाख मंत्र जप) ,११ या १६ दिन मे

सामाग्री: शिवलिंग,रुद्राक्ष माला, पंचामृत,पत्रादि |

शिवाभिषेक कर रुद्राक्ष माला से जप करे |

दिन के किसी भी समय साधना कर सकते है

****